NCERT SOLUTIONS

CLASS - 10th

aglasem.com

Class : 10th
Subject : हिंदी
Chapter : 2
Chapter Name : जॉर्ज पंचम की नाक

Q1. सरकारी तंत्र में जॉर्ज पंचम की नाक लगाने को लेकर जो चिंता या बदहवासी दिखाई देती है वह उनकी किस मानसिकता को दर्शाती है ?

Answer. सरकारी तंत्र में जॉर्ज पंचम की नाक को लेकर जो चिंता या बदहवासी दिखाई देती है वह दर्शाती है की सरकारी तंत्र जागरूक तभी होता है जब कोई विपदा आ जाती है | तब हर मामले की कमिटियां बनायीं जाती है, बहस होती है और अंत में उसका कोई परिणाम नहीं निकलता |
इस चिंता और बदहवासी को देखकर यह भी पता चलता है की ये आज़ाद तो हो गए पर इनकी मानसिकता अभी भी अंग्रेज़ों की गुलाम है क्योकिं सरकारी तंत्र उस इंसान की नाक की चिंता कर रहा है जिसने हमारे लोगों पर न जाने कितने जुर्म ढाये थे |
Page no:15, Block: प्रश्न अभ्यास

Q2. रानी एलिज़ाबेथ के दर्जी की परेशानी का क्या कारण था ? उसकी परेशानी को आप किस तरह तर्कसंगत ठहराएंगे ?

Answer. रानी एलिज़ाबेथ कोई साधारण महिला नहीं थी | वह तो एक साम्राज्ञी थी, उन्हें भारत, पाकिस्तान और नेपाल की यात्रा करनी थी | रानी की वेषभूषा की ज़िम्मेदारी दर्जी पर थी, उसे ही सुनिश्चित करना था की रानी कब कौन-सी पोशाक पहनेगी | पर इस बारे में दरजी को भी कोई जानकारी नहीं दी गयी थी , इसलिए वह चिंता में था की कहीं उसकी बनायीं हुई पोशाक में कोई कमी न रह जाये |
Page no:15, Block: प्रश्न अभ्यास

Q3. 'और देखते ही देखते ही देखते नयी दिल्ली की काया पलट होने लगी ' - नयी दिल्ली की काया पलट के लिए क्या-क्या प्रयत्न किए गए होंगे?

Answer. नयी दिल्ली की काया पलट के लिए निम्नलिखित प्रयास किये गए होंगे :
१) सड़कों की साफ़-सफाई और उनकी मरम्मत कराई गयी होगी |
२) सड़क के किनारे दोनों तरफ पेड़ लगाए गए होंगे |
३) पूरे शहर की साफ़ सफाई वह सजावट कराई गयी होगी |
४) सभी सरकारी भवनों की साफ़-सफाई तथा उनका रंग-रोगन करवाया गया होगा |
५) सरकारी पार्कों व लौनों की हरी घास को काट छांटकर सुन्दर बनाया गया होगा |
Page no:15, Block: प्रश्न अभ्यास

Q4. आज की पत्रकारिता में चर्चित हस्तियों के पहनावे और खान-पान सम्बन्धी आदतों आदि के वर्णन का दौर चल पड़ा है-
(क) इस प्रकार के पत्रकारिता के बारे में आपके क्या विचार हैं ?
(ख) इस तरह की पत्रकारिता आम जनता विशेष कर युवा पीढ़ी पर क्या प्रभाव डालती है ?

Answer. (क)इस तरह की पत्रकारिता मेरे विचार में बिलकुल अनावश्यक है | इसे पढ़कर हमें कुछ भी नया सीखने को नहीं मिलता है और हम बस उनके जैसा बनने की चाह में लगे रहते हैं।

(ख) इस तरह की पत्रकारिता आम जनता विशेष कर युवा पीढ़ी पर बहुत ही बुरा प्रभाव डालती हैं | इसे पढ़कर आम जनता कोशिश करती है की वह भी इन्ही चर्चित हस्तियों की तरह हो जाये | वह कोशिश करते है की उनका पहनावा अथवा खान-पान उन्ही की तरह हो जो की बिलकुल भी ठीक नहीं है |और हम इन चर्चित हस्तियों के महंगे- महंगे शौकों के बीच गुमराह होते रहते हैं और पैसा खर्च करते रहते हैं।
Page no:15, Block: प्रश्न अभ्यास

Q5. जॉर्ज पंचम की लाट की नाक को पुनः लगाने के लिए मूर्तिकार ने क्या-क्या यत्न किये ?

Answer. जॉर्ज पंचम की लाट की नाक को पुनः लगाने के लिए मूर्तिकार ने उस पत्थर की तलाश की जिस पत्थर से मूर्ति बनाई गयी थी | उसने पूरे भारत में नाक का नाप लेकर वैसी ही नाक पाने की कोशिश की | उसने बिहार में बने शहीदों और बच्चों की नाकों को नाप कर देखा | जब ये तरीके सफल नहीं हुए तो उसने ज़िंदा नाक लगाने का पूरा प्रयास किया |
Page no:16, Block: प्रश्न अभ्यास

Q6. प्रस्तुत कहानी में जगह- जगह कुछ ऐसे कथन आये हैं जो मौजूदा व्यवस्था पर करारी चोट करते हैं | उदाहरण के लिए 'फाइलें सब कुछ हज़म कर चुकी है |'सब हुक्कामों ने एक दूसरे की तरफ ताका | पाठ में आए ऐसे अन्य कथन छांटकर लिखिए |

Answer. १) शंख इंग्लैंड में बज रहा था, गूँज हिंदुस्तान में आ रही थी |
२) दिल्ली में सब था, बस जॉर्ज पंचम की लाट पर नाक नहीं थी |
३) देश के खैरवाहों की मीटिंग बुलाई गयी और मसला पेश किया गया |
४) सड़कें जवान हो गयी और बुढ़ापे की धुल साफ़ हो गयी |
५) पुरातत्व विभाग की फाइलों के पेट चीरे गए, पर कुछ पता नहीं चला |
Page no:16, Block: प्रश्न अभ्यास

Q7. नाक मान-सम्मान व प्रतिष्ठा का द्योतक है | यह बात पूरी व्यंग्य रचना में किस तरह उभरकर आयी है ? लिखिए |
Answer. इस पाठ में नाक को लेकर बहुत सारे व्यंग्य आये है | नाक व्यक्ति की इज़्ज़त- प्रतिष्ठा की प्रतीत होती है | जॉर्ज पंचम की नाक कटे जाने का तात्पर्य था की उनकी इज़्ज़त- प्रतिष्ठा को नष्ट कर दिया गया है | जॉर्ज पंचम भारतीय नहीं थे, उनकी मूर्ति का पत्थर भी विदेशी था | फिर भी उनकी नाक को भारतीय नेता और शहीद बच्चों से ऊपर रखा गया, और नाक वापस लगाने की हर संभव कोशिश की गयी|
Page no:16, Block: प्रश्न अभ्यास

Q8. जॉर्ज पंचम की लाट पर किसी भी भारतीय नेता, यहाँ तक की भारतीय बच्चे की नाक फिट न होने की बात से लेखक किस ओर संकेत करना चाहता है ?

Answer. जॉर्ज पंचम की लाट पर किसी भी भारतीय नेता,यहाँ तक की भारतीय बच्चे की नाक भी फिट न होने से लेखक यह संकेत करना चाहता है की हमारे देश के लिए शहीद हुए बच्चे और नेताओं की इज़्ज़त और प्रतिष्ठा विदेशी शासकों से कही ज़्यादा थी | हर विदेशी शासकों को हम सम्मान की दृष्टि से नहीं देखते थे|लेखक यह भी कह रहा है की जितनी इज़्ज़त हम अपने शहीदों की करते हैं, उतनी इज़्ज़त हम विदेशी शासकों की कभी नहीं करेंगे।
Page no:16, Block: प्रश्न अभ्यास

Q9. अख़बारों ने ज़िंदा नाक लगने की खबर को किस प्रकार प्रस्तुत किया ?

Answer. अख़बारों ने ज़िंदा नाक लगने की खबर को इस तरह प्रस्तुत किया- "जॉर्ज पंचम की ज़िंदा नाक लगायी गयी है... यानि ऐसी नाक जो दिखने में कतई पत्थर की नहीं लगती |" इसके अतिरिक्त और कोई खबर नहीं छपी जैसे- सार्वजनिक सभा की, स्वागत समारोह की तथा उदघाटन की | यह नाक का विरोध करने का एक तरीका था |
Page no:16, Block: प्रश्न अभ्यास

Q10. "नयी दिल्ली में सब था... सिर्फ नाक नहीं थी |" इस कथन के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है ?

Answer. इस कथन के माध्यम से लेखक कहना चाहता की भले ही दिल्ली में ब्रिटिश साम्राज्य का अधिपत्य तो नहीं था परन्तु इज़्ज़त प्रतिष्ठा भी नहीं थी | भारतीयों ने अपनी इज़्ज़त प्रतिष्ठा को मिट्टी में मिला दिया था | जब रानी एलिज़ाबेथ के भारत आने की खबर आई तब दिल्ली में सरकार अंग्रेजों के सभी अतयाचारों को भूलकर उनके स्वागत में लग गए थे।
और जार्ज पंचम की नाक लगाने के लिए तो सरकार ने ज़मीन आसमान एक कर दिया था।
Page no:16, Block: प्रश्न अभ्यास

Q11. जॉर्ज पंचम की नाक लगने वाली खबर के दिन अख़बार चुप क्यों थे ?

Answer. जॉर्ज पंचम की नाक लगने वाली खबर के दिन अख़बार चुप इसलिए थे क्योंकि उन्होंने एक विदेशी जिसने भारतीय जनता का शोषण किया था,उस पर दिल्ली सरकार ने नाक लगाने के लिए हर संभव कोशिश की , और अंत में उन की लाट पर असली नाक लगा दी गयी| यह बात भारतीयों को ज़रा भी पसंद नहीं आई, इसलिए वे इसका विरोध चुप रहकर अपने तरीके से कर रहे थे |
Page no:16, Block: प्रश्न अभ्यास

aglasem.com